आवारा हूं ....गर्दिश में हूं... आसमान का तारा हूं...

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर

राजकपूर की फिल्मों की सफलता में जिन चँद लोगों का स्थायी योगदान रहा हैं उनमें एक शख्स वो हैं जो अगर फ़िल्मी दुनिया की बजाय साहित्य की दुनिया में कार्य करते तो भी एक लीजेंड ही कहलाते.

वो शख्स जिसे गीतों का राजकुमार कहा गया, जिसे जनता का कवि कहा गया, जिसने लिखा,आवारा हूँ गर्दिश में हूँ आसमान का तारा हूँ (आवारा), मेरा जूता है जापानी ये पतलून इंग्लिस्तानी (श्री 420), सब कुछ सीखा हमने न सीखी होशियारी (अनाड़ी), किसी की मुस्कराहाटों पे हो निसार (अनाड़ी), प्यार हुआ इकरार हुआ (श्री 420), हम उस देश के वासी हैं जिस देश मे गंगा बहती है (जिस देश मे गंगा बहती है), सजनवा बैरी हो गये हमार (तीसरी कसम).

दोस्तों , आप लोग समझ ही गये होंगे हम बात कर रहे हैं महान गीतकार शंकर दास केसरी लाल शैलेन्द्र उर्फ़ जन कवि शैलेन्द्र जी की, शैलेन्द्र जिनके लिखे फ़िल्मी गीतों के उल्लेख के बिना हिन्दी फ़िल्मी गीतों की क़ोई भी चर्चा अधूरी ही कही जायेगी और जिनके लिखे फ़िल्मी गीत काव्य की उत्कृष्ट से उत्कृष्ट रचनाओं के समकक्ष रखे जा सकते हैं.

उन्होंने हिन्दी साहित्य के महान कवियों की रचनाओं का गहरा अध्यन किया था व उसी के अनुरूप उन्होंने हमारे लिये मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण शुद्ध सरल हिन्दी में कई अवस्मरणीय कालजयी गीतों की रचना की.खासकर राजकपूर के लिये उन्होंने कई महान गीतों की रचना की, राजकपूर उनके बिना अधूरे कहलाते थे.

शैलेन्द्र रेलवे में काम करते थे, उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ जब राज कपूर ने इप्टा (इंडियन पीपुल थिएटर एसोसिएशन) की एक कवि गोष्ठी में उनकी कविता जलता है पंजाब सुनी और प्रभावित होकर उन्हें अपनी फिल्म आग के लिए गीत लिखने का आग्रह किया. पहले तो उन्होंने मना कर दिया, पर कुछ समय बाद आर्थिक तंगी के दौर में उन्होंने राज कपूर से पांच सौ रूपये उधार लिये और जब वो रूपये लौटाने गये तो राज साहब ने पैसे वापस लेने की बजाय उनसे फिल्म बरसात (1949) के दो गीत लिखने का आग्रह किया उनके आग्रह पर शैलेन्द्र ने बरसात के लिये दो गीत बरसात में हमसे मिले तुम सजन तुमसे मिले हम और पतली कमर है, तिरछी नजर है लिखकर फिल्मों में गीत लेखन शुरू किया. दोनों गीत सुपर हिट साबित हुए फिर उसके बाद राज साहब ने उनसे फ़िल्म आवारा के गीत लिखने का आग्रह किया और इसके बाद तो शैलेन्द्र और राज कपूर की जोड़ी अमर हो गई. इस जोड़ी ने हमें श्री 420, आवारा, अनाड़ी, संगम,बूट पॉलिश,जिस देश में गंगा बहती है जैसी बेहतरीन फ़िल्में दीं,जिनके गीतों ने इतिहास रचा.

उनके कुछ अन्य प्रसिद्ध गीतों में रमैया वस्तावैया, ए आज फिर जीने की तमन्ना है, गाता रहे मेरा दिल, रुला के गया सपना मेरा, सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं, खोया खोया चाँद, सजन रे झूठ मत बोलो, जहाँ मैं जाती हूं, ये रात भीगी भीगी, तुम्हे याद करते करते, जुही की कली मेरी लाडली, चलत मुसाफिर मोह लिया रे आदि शामिल हैं. उनकी लेखनी में उनके अपने संघर्ष और दर्द के साथ साथ उनकी समाज के हालात के प्रति बैचैनी भी साफ दिखाई देती है, उदाहरण के लिये आप उजाला फ़िल्म का गीत, सूरज ज़रा आ पास आ आज सपनो की रोटी पकाएँगे हम, सुनें.

उनके गीतों में प्रेम, विरह की पीड़ा, जीवन का दर्शन और समाज के प्रति गहरी संवेदना झलकती थी. उनके गीतों में मानव जीवन के हर्ष विषाद की रागात्मक अभिव्यक्ति है. उन्होंने आपने गीतों में जीवन के फलसफे को बहुत सरल शब्दों में कितनी गहराई से व्यक्त किया है, ये बात आप उनका गीत दिल का हाल सुने दिलवाला सीधी सी बात न मिर्च मसाला सुन कर समझ सकते हैं. वे जनता के कवि थे, एक संवेदनशील रचनाकार थे, जिनके गीतों में न बनावट थी, न क़ोई पाखंड—थी तो सिर्फ सादगी से कही गई इंसानियत की बातें.

प्रसिद्ध गीतकार मजरूह सुल्तान पुरी उनके बारे में कहते थे कि हम सब शायर हैं सो फ़िल्मी गीत लिख लेते हैं परन्तु सही मायने में गीतकार तो एक ही हैं और वो हैं शैलेन्द्र.

गुलज़ार ने उन्हें हिन्दी सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ गीतकार कहा है. वो कहते हैं कि बिना शक शैलेन्द्र को हिन्दी सिनेमा का आज तक का सबसे बड़ा गीतकार कहा जा सकता है. उनके गीतों को खुरच कर देखें तो आपको सतह के नीचे दबे नए अर्थ प्राप्त होंगे. उनके एक ही गीत में न जाने कितने गहरे अर्थ छिपे होते थे. उन्होंने मुख्यत: संगीतकार शंकर जय किशन के साथ काम किया परंतु साथ साथ उन्होने सलिल चौधरी के साथ मधुमती और एस डी बर्मन के साथ गाइड, कालाबाज़ार, बंदिनी और ज्वेल थीफ जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिये कई अवस्मरणीय गीत लिखे. तीन बार उन्हें सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फ़िल्म फेयर पुरस्कार मिला फ़िल्म यहूदी, अनाड़ी और ब्रह्मचारी के लिये.

अफ़सोस की बात है की जब ये महान गीतकार फ़िल्म निर्माण के मैदान में उतरा तो ये कदम उनके जीवन का सबसे घातक कदम साबित हुआ. प्रसिद्ध लेखक फणनीश्वर नाथ रेणु की किताब मारे गये गुलफाम पर आधारित उनकी बनाई . फ़िल्म तीसरी कसम उस समय एक फ्लॉप फ़िल्म साबित हुई, इस असफलता ने शैलेन्द्र को भीतर तक तोड़ दिया, हालांकि इसे राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ व बाद में वो एक कल्ट क्लासिक कहलाई पर अफ़सोस ये देखने के लिये शैलेन्द्र जीवित न रहे और सिनेमा जगत ने एक अनमोल हीरा खो दिया.

विडंबना देखिये कि महज 43 वर्ष की उम्र में अपने प्रिय दोस्त राज कपूर के जन्मदिवस 14 दिसंबर के दिन उन्होंने प्राण त्यागे. हिंदी सिनेमा में उनका योगदान अतुलनीय है. आज बस इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी, तब तक शैलेन्द्र साहब का लिखा अनाड़ी फ़िल्म का ये अमर गीत सुनते रहिये व सदा मोटिवेटेड रहिये......

किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार
किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार
किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार
जीना इसी का नाम है ...

सऊदी अरब के रेड सी फिल्म महोत्सव में दिखाई जाएगी उमराव जान

भारतीय फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली की 1981 की सदाबहार कृति 'उमराव जान' सऊदी अरब में आगामी रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित की जायेगी. वैरायटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म फेस्टिवल के ट्रेजर्स स्ट्रैंड में दिखाई जाएगी, जो दुनिया भर से छह पुनर्स्थापित क्लासिक्स का उत्सव मनाती है.

ट्रेजर्स लाइनअप में उमराव जान के साथ जुड़ने से कई सिनेमाई मील के पत्थर जुड़ गए हैं, जिनमें अल्फ्रेड हिचकॉक की 1944 की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर 'स्पेलबाउंड' शामिल है (जिसमें इंग्रिड बर्गमैन और ग्रेगरी पेक ने अभिनय किया है) जो विश्व सिनेमा को संरक्षित करने के लिए समर्पित मार्टिन स्कोर्सेसे की द फिल्म फाउंडेशन की ओर से महोत्सव की पहली प्रस्तुति है. इसमें ल्यूक बेसन का 1988 का डाइविंग ड्रामा 'द बिग ब्लू' भी शामिल है, जो सऊदी अरब में बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करेगा.

ब्रिटिश मूक फिल्म संगतकार नील ब्रांड बस्टर कीटन, चार्ली चैपलिन और लॉरेल और हार्डी के तीन मूक स्लैपस्टिक क्लासिक्स के लिए लाइव स्कोर प्रस्तुत करेंगे.

यह स्ट्रैंड निर्देशक अहमद बदरखान द्वारा बहाल किए गए दो मिस्र के रत्नों, 'आइडा' (1942) और 'सॉन्ग ऑफ होप' (1937) को भी प्रदर्शित करेगा इन दोनों में प्रतिष्ठित गायिका और अभिनेत्री उम्म कुलथुम शामिल हैं - जिन्हें व्यापक रूप से अरब दुनिया की सबसे महान आवाज माना जाता है. इन फिल्मों को मिस्र की मीडिया सिटी के सहयोग से रेड सी फिल्म फाउंडेशन द्वारा '4के' में पुनर्स्थापित किया गया है.

छोटी, सच्ची ज़िंदगी पर बनी फिल्में अब गायब हो गई हैं : कृतिका

अभिनेत्री कृतिका कामरा का कहना है कि छोटी, सच्ची ज़िंदगी पर बनी फिल्में अब गायब हो गई हैं, उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म इस जॉनर को फिर से ज़िंदा करेगी. कई सालों तक पारिवारिक कहानियाँ हिंदी सिनेमा की आत्मा रही हैं.ऐसे किस्से जो रिश्तों, अपनापन और साझा भावनाओं से भरे होते थे और हर पीढ़ी के दिल को छू जाते थे. लेकिन पिछले कुछ समय में जब सिनेमा का झुकाव थ्रिलर, बायोपिक और गहरे ड्रामों की ओर बढ़ गया, तो परिवार पर आधारित सीधी-सादी, दिल को छू लेने वाली फिल्मों की कमी महसूस होने लगी.

कृतिका कामरा, जो हमेशा अलग और सोचने पर मजबूर करने वाले किरदारों का चुनाव करती रही हैं, अब अपनी आने वाली फिल्म के ज़रिए उस खाली जगह को भरने की उम्मीद कर रही हैं. यह फिल्म अनुषा रिज़वी (जिन्होंने पीपली लाइव जैसी सराही गई फिल्म बनाई थी) के निर्देशन में बन रही है. दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित यह कहानी एक साधारण परिवार की है, जो पीढ़ियों के अंतर, अपनापन और बहनापा जैसी भावनाओं को हल्के-फुल्के हास्य और सच्चाई के साथ दिखाती है.

फिल्म और उसकी भावनाओं पर बात करते हुए कृतिका ने कहा,मुझे वो छोटी, सच्ची कहानियाँ बहुत याद आती हैं जो बिना ज़्यादा दिखावे के हमारे दिल को छू जाती थीं. वो फिल्में जिनमें हँसी भी होती थी, आँसू भी और एक अपनापन भी. कहीं न कहीं, वो कहानियाँ जो परिवारों के बीच की छोटी-छोटी बातों, खाने कीद्व मेज़ की गपशप, और सादगी भरे पलों को दिखाती थीं. अब धीरे-धीरे गायब हो गई हैं. अनुषा के साथ यह फिल्म बनाना ऐसा लगता है जैसे उस भूली हुई दुनिया में वापस लौट रहे हों. यह फिल्म सीधी-सादी है, कहीं-कहीं मज़ेदार और सबसे ज़रूरी, इंसानी है. और मुझे लगता है आज सबको फिर वही एहसास चाहिए.

कृतिका ने कहा,एक समय था जब हमारी फिल्मों में साधारण चीज़ों की भी खूबसूरती दिखाई जाती थी - भाई-बहन की बातचीत, किसी छोटे से प्यार भरे पल या सोच में डूबे एक दृश्य में भी कहानी मिल जाती थी.

दोस्ती और ड्रामा का डबल डोज़!

एण्डटीवी के हप्पू की उलटन पलटन और भाबीजी घर पर हैं के नए एपिसोड्स में हंसी, गड़बड़झाला और मस्ती का धमाल मचेगा जो आपको टीवी के सामने से हटने का मौका नहीं देगा ! हप्पू की उलटन पलटन के बारे में गीतांजलि मिश्रा उर्फ राजेश कहती हैं, हप्पू (योगेश त्रिपाठी) नाराज है क्योंकि कमिश्नर (किशोर भानुशाली) फिर से उसकी बहादुरी का श्रेय खुद ले लेता है. हप्पू सोचता है, अगली बार सीधे डीआईजी को बताऊंगा. जल्दी ही वह एक बार में सुनता है कि पिंकी गैंग बैंक लूटने की योजना बना रहा है. खुश होकर वह बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) को बुला लेता है. लेकिन राजेश सुन लेती है तो सोचती है, हप्पू खुद बैंक लूट रहा है! वह डरकर अम्मा (हिमानी शिवपुरी) को बताती है. अम्मा याद करती हैं, बाबा ने कहा था - हप्पू की गलती से राजेश जेल जा सकती है. बच्चे हृतिक, चमची और रणबीर भी सुन लेते हैं. वे पापा को पकड़कर पैसे कमाने का प्लान बनाते हैं. आखिर में असली पिंकी गैंग समेत सब बैंक पहुंच जाते हैं बैंक में हो जाता है बड़ा हंगामा ! क्या हप्पू सब साफ कर पाएगा या एक बार फिर उसका नाम खराब हो जाएगा? जिससे भाबीजी घर पर हैं के बारे में शुभांगी अत्रे उर्फ अंगूरी भाबी कहती हैं, मॉडर्न कॉलोनी में खुशी की लहर है! विभूति (आसिफ शेख) और प्रेम (विश्वनाथ सोनी), एमएलए की मदद से रोमियो जूलियट का नाटक करने वाले हैं. पहले अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) और तिवारी (रोहिताश्व गौड़) मना करते हैं, लेकिन फंडिंग की बात सुनकर कूद पड़ते हैं. ट्विस्ट तब आता है जब विभूति और अंगूरी अपना पार्ट इंग्लिश में, अनीता और तिवारी भोजपुरी में करते हैं!

नेहल की मुसीबत बनेगा बिग बॉस 19 का तीसरा वाइल्डकार्ड

बिग बॉस 19 का घर इन दिनों ड्रामे और विवादों से भरा हुआ है, लेकिन जल्द ही शो में एक ऐसा मोड़ आने वाला है, जो एक कंटेस्टेंट की मुश्किलें काफी बढ़ा देगा. खबर है कि बिग बॉस 19 का तीसरा वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट कोई और नहीं, बल्कि नेहल चुडासमा का बॉयफ्रेंड होगा.

उनके घर में आते ही नेहल के सारे राज खुलने वाले हैं, जिससे उनके गेम पर बड़ा असर पड़ सकता है.

बिग बॉस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नेहल चुडासमा का बॉयफ्रेंड जल्द ही वाइल्डकार्ड के रूप में घर में एंट्री करने वाला है. नेहल के लिए यह एंट्री किसी मुसीबत से कम नहीं होगी. शो में अक्सर देखा गया है कि कंटेस्टेंट्स अपने गेम को आगे बढ़ाने के लिए अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कुछ सच छिपाते हैं या बातों को घुमाते हैं.

प्रभास की फिल्म फौजी का पहला लुक रिलीज

माइथ्री मूवी मेकर्स ने प्रभास की पीरियड ड्रामा फिल्म 'फौजी' का पहला लुक रिलीज कर दिया है.

फिल्म फौजी का निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है. फिल्म फौजी का पहला लुक प्रभास के जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया है.सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा करते हुए, माइथ्री मूवी मेकर्स ने लिखा है,पाण्डवपक्षे संस्थित कर्ण:. गुरुविरहित: एकलव्य: जन्मनैव च योद्धा एष:॥ सप्रभासहनु है सफौजी.हमारे इतिहास के भूले हुए पन्नों से एक बहादुर सैनिक की कहानी ,हैप्पी बर्थडे, रेबेल स्टार इस दिलचस्प पोस्टर में प्रभास एक जबरदस्त योद्धा के रूप में नजर आ रहे हैं, जिनके चेहरे पर ताकत, हिम्मत और जुनून झलकता है. इस ऐलान के साथ लिखा गया संस्कृत श्लोक एक जन्मजात वीर की भावना को दर्शाता है, जो हिम्मत और बलिदान पर आधारित एक भव्य कहानी की शुरुआत करता है.

'फौजी' प्रभास की 'बाहुबली' के बाद एक बार फिर शानदार पीरियड ड्रामा में वापसी का प्रतीक है, जो दर्शकों को भावनाओं और शानदार विजुअल्स से भरा अनुभव देने का वादा करती है. इसे माइथ्री मूवी मेकर्स की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बताया जा रहा है. इस प्रोजेक्ट में प्रभास, माइथ्री (पुष्पा मेकर्स) और हनु (सीता रमम डायरेक्टर) की जोड़ी एक साथ आई है, जिसे भारतीय सिनेमा में पीढ़ियों का संगम कहा जा रहा है.

राम चरण दूसरी बार बनेंगे पिता

साउथ स्टार चिरंजीवी के घर में दोहरी खुशी का माहौल है. वो दूसरी बार दादा बनने वाले हैं. उनके बेटे राम चरण की बीवी उपासना कोनिडेला दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान कर दिया है और फैंस को दिवाली पर गुड न्यूज सुनाई है.

राम चरण और उपासना ने दिवाली उत्सव पर एक वीडियो शेयर किया. ये उनकी सीमांतम (गोद भराई) समारोह का वीडियो है. इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ये दिवाली दोगुने जश्न, दोगुने प्यार और दोगुने आशीर्वाद की थी.

इस वीडियो में उपासना नीले रंग के सलवार-सूट में बेहद प्यारी दिख रही हैं. परिवार की महिलाएं उन्हें तोहफे के साथ-साथ आशीर्वाद दे रही हैं. उनकी आरती उतार रही हैं, टीका कर रही हैं और ढेर सारा प्यार उड़ेल रही हैं. उनके साथ बेटी क्लिन कारा और पति राम चरण भी मौजूद हैं. चिरंजीवी भी अपनी बीवी सुरेखा के साथ पोज दे रहे हैं.राम चरण और उपासना की शादी साल 2012 में हुई थी. शादी के करीब 11 साल बाद उनके घर बच्चे की किलकारी गूंजी थी. साल 2023 में बेटी क्लिन कारा का जन्म हुआ था. हालांकि, अभी तक उन्होंने अपनी बेटी का चेहरा दुनिया को नहीं दिखाया है.

श्रद्धा आर्या ने बच्चों की प्राइवेसी पर तोड़ी चुप्पी

मशहूर एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या अपनी सादगी और शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं और अक्सर किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं, लेकिन इस बार वो अपने किसी शो नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं. हाल ही में श्रद्धा ने एक ट्रोल को करारा जवाब देकर सबका दिल जीत लिया.

दरअसल, एक यूजर ने श्रद्धा से सवाल किया कि आखिर वो अपने जुड़वां बच्चों के चेहरे क्यों नहीं दिखातीं. इस पर अभिनेत्री ने जिस अंदाज में जवाब दिया, उसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया.

श्रद्धा ने ट्रोल के कमेंट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि वाह! यह बात एक ऐसे व्यक्ति से आ रही है जो खुद अपना चेहरा और नाम छिपा रहा है, लेकिन मेरे बच्चों का चेहरा देखना चाहता है? तुम बहुत चालू हो.साथ ही ट्रोल ने यह भी कहा था कि एयरपोर्ट पर जब मीडिया ने श्रद्धा के बच्चों की तस्वीरें लेने की कोशिश की तो वह उन्हें रोकने लगीं, जबकि बाद में खुद फोटोशूट करवाती नजर आईं.

वेव्स ओटीटी छठ के साथ बिहार की आत्मा को पर्दे पर उतारेगा 24 अक्टूबर को दुनिया भर में प्रीमियर

संस्कृति, भक्ति और सिनेमाई कहानी कहने के एक भावपूर्ण उत्सव में, वेव्स ओटीटी 24 अक्टूबर को अपने मंच पर बहुप्रतीक्षित फिल्म छठ का प्रीमियर करने के लिए तैयार है. राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नितिन नीरा चंद्रा द्वारा निर्देशित और प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्माता नीतू चंद्रा द्वारा निर्मित, छठ बिहार की अदम्य भावना और सांस्कृतिक समृद्धि का एक मार्मिक गान है. भारत के गहरे भावनात्मक और आध्यात्मिक सार में निहित, छठ उस भक्ति और अनुशासन को दर्शाता है जो देश के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक, छठ पूजा को परिभाषित करता है. फिल्म के बारे में बात करते हुए, नीतू चंद्रा ने कहा, छठ सिर्फ़ एक फिल्म नहीं है, यह एक एहसास है जो हर बिहारी के दिल में बसता है. यह हमारे गौरव, हमारी भक्ति और हमारी जड़ों से हमारे जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है. इस फिल्म के माध्यम से, हम चाहते हैं कि दुनिया हमारी परंपराओं की सुंदरता, पवित्रता और शक्ति का अनुभव करे. मुझे खुशी है कि वेव्स ओटीटी इस कहानी को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचा रहा है और अब समय आ गया है कि दुनिया बिहार को उसकी आस्था और दृढ़ता के नज़रिए से देखे. प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने भी इसी भावना को दोहराते हुए फिल्म की सांस्कृतिक गहराई की प्रशंसा की और कहा, छठ एक खूबसूरत याद दिलाता है कि सबसे शक्तिशाली कहानियाँ हमारी धरती के हृदय से आती हैं.यह देखना प्रेरणादायक है कि भारतीय रचनाकार क्षेत्रीय कहानियों को इतनी प्रामाणिकता के साथ वैश्विक दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं. वेव्स ओटीटी के माध्यम से, हमें भारत की सांस्कृतिक कहानियों को वह मंच प्रदान करने में खुशी हो रही है जिसके वे वास्तव में हकदार हैं.